यूनान के मसीहियों ने यरूशलेम के गरीब मसीहियों की सहायता की।

बच्चों को सिखाए कि जहाँ वह रहते है, जरूरतमन्दो की मदद करें।

प्रार्थना: प्यारे प्रभु, हमें ज्ञान और उदारता दे जब हम जरूरतमन्द लोगों की मिलकर सहायता करते है।

बच्चो की उम्र और आवश्यकता के अनुसार गतिविधियाँ **चुनिये।**

बड़ा बच्चा या अध्यापक बताए कि कुरिन्थ के लोगो ने गरीब भाई-बहनों की प्रभु में होकर कैसे मदद की।

पिछला भाग: पौलुस उस समय धर्म प्रचारक की सेवा कर रहा था जब उसने सुना कि अकाल की वजह से यरूशलेम में विश्वासी भूखे है। दुसरे देशों के विश्वासियो से उसने सहायता के लिए कहा। उनकी देने की योजना बहुत बड़ी थी और बहुत सी कलिसियाओं ने पैसा लेकर यरूशलेम में भूखे लोगों तक लेकर पहुँचे।

1 कुरिन्थियो 16:1-4 पढ़े और बताए प्रेरित पौलुस ने कुरिन्थ के लोगो को उनका दान जमा करने के बारे में क्या लिखा। फिर **पूछें:**

- कुरिन्थ के अलावा दुसरे गिरजाघरों ने गरीबों के लिए क्या दिया (पद 1)
- विश्वासी अपने दानों को कैसे देते थे (पद 2)
- क्या लोग अपने दान एक ही बार में दे देते थे (पद2)
- गिरजाघर किस सतर्कता से निरिक्षण करते थे कि पैसा कैसे भेजा जा रहा है। (पद 3)
- पौलुस के विचार में यह दान कितना महत्वपूर्ण था (पद 4 पौलुस नई कलिसिया शुरू करने में व्यस्त था लेकिन समय निकाला कि जो यरूशलेम में दु:खी है, वहाँ दानो का सही इस्तेमाल हो)

स्पष्ट करो कि पौलुस ने कुरिन्थियो को क्या बताया कि विश्वासी उसकी याचना का कैसा जवाब दे रहे हैं।

- पौलुस ने उनको दुसरा पत्र लिखा और बताया कि विश्वासी किस उदारता से दान दे रहे हैं। (2 कुरिन्थ अध्याय 8:1-7,10-11 और 19-21)
- मकिदोनिया के गरीब विश्वासियो ने, जो यूनान के उत्तर में छोटा देश है, बड़े बलिदान के साथ दिया।
- गरीब मकिदोनिया वासियो ने प्ररितो से प्रार्थना कि और दबाव डाला कि उन्हे दान देने दें।
- कुरिन्थिवासी हर सप्ताह थोड़ा देते थे और प्रेरितो के लिए अलग रखते थे कि वह उसको यरूशलेम ले जाए।
- पौलुस ने उस विश्वासनीय पुरूष का नाम बताने को कहा जो बिना किसी सन्देह के उनके दानों को यरूशलेम ले जाए।
- दान का उद्देश्य भूखे लोगों को खिलाना ही नहीं था बल्कि परमेश्वर की महिमा करना भी।

"महादान" की कहानी के भाग का नाटक करें। बड़े बच्चे छोटो की सहायता करें।

- कलीसिया के प्रार्थना अगुवे के साथ प्रबन्ध करें कि बच्चे नाटक कर सकें
- बड़े बच्चे और पुरूष वर्णनकर्ता, पौलुस, तितुस और शत्रु का पात्र करें वर्णनकर्ता कहानी का सांराश बच्चों को याद करने में तथा कहने में सहायता करे।

- जवान बच्चे गरीब लोग, कुरिन्थवासी और मकिदुनियावासी बनें। कुरिन्थवासी छोटे पत्थर या सिक्के दान के लिए रखें।

वर्णनकर्त्ता: कहानी का पहला भाग बताएं (पौलुस ने 1 कुरिन्थीयो 16:1-4 में क्या लिखा) फिर कहे "सुनो यरूशलेम के गरीब लोग क्या कहते है"

गरीब लोग: हमारी फसल बरबाद हो गई, एक वर्ष में हम भूखे मर जाएं, परमेश्वर सहायता करें।

वर्णनकर्त्ता: इस बीच पूरे कुरिन्थ में, सुनो पौलुस मसीहों से क्या कहता है।

पौलुस: हमें उनकी मदद करनी चाहिए जो यरूशलेम में भूखे मर रहे है। हर सप्ताह थोड़े पैसे अलग रखो और, हर सप्ताह भेंट दिया करो। कुछ समय बाद में भेंट लेने आऊंगा।

वर्णनकर्त्ता: सुनो मसीह के शत्रु अपने शैतान साथियों से क्या कहते है।

शत्रु: ओह नहीं! कलिसियाएँ सहायता कर रही है। हम शैतानों को उन्हें एक साथ काम करने से रोकना है। वह बहुत अधिक दे रहे है और एक दुसरे की सहायता कर रहे हैं। हमें उन्हें निराश करना है।

कुरिन्थवासी: एक सन्दुक लेकर चारों तरफ भेंट लेते हुए। यह कहते हुए, मैं बहुत आभारी हूँ कि हर सप्ताह थोड़ी सहायता करता हूँ। अपनी मुर्गी के अण्डो में से रोज एक बचाकर बेचता हूँ और वह पैसा भेंट में देता हूँ। मैंने कुछ शालें बेची है।

शत्रु: गुस्से से, रूक जाओ, हम उन्हें ज्यादा भेंट देने से रोक नहीं सकें। हम उन्हें पैसो के मामले में लापरवाह बना देगें। मैं उस आदमी के बारे में सन्देह उत्पन्न कर दुंगा जो पैसे लेकर जाएगा। वह उसमें से कुछ चुरा लेगा।

कुरिन्थवासी: दो आदमीयो की तरफ इशारा करके कहते है, तुम दोनो पैसों का प्रबन्ध करोगे। हमें तुम पर भरोसा है। कृपा उसका बहुत सावधानी से हिसाब रखना, जो कुछ हम देते है।

वर्णनकर्त्ता: कहानी का दुसरा भाग बताओ। बहुत समय के बाद पौलुस फिर मकिदोनिया गया। सुनो मकिदोनिया के निवासी उससे क्या कहते है।

मकिदोनियावासी: पौलुस, तुमने कहा था कि हमारे भाई-बहन यरूशलेम में भूखे है। हम गरीब है लेकिन उनकी सहायता करना चाहते है। कृपा हमें भी उस महादान में देने दे जैसे कुरिन्थवासी कर रहे है।

पौलुस: परमेश्वर तुम्हारे बलिदान और उदारता के लिए तुम्हे आशिष दे। मैं तितुस को तुम्हारी भेंटे लेने को भेजुंगा।

वर्णनकर्त्ता: तितुस भी कुरिन्थवासीयों से मिला। सुनो वह क्या कहता है।

तितुस: सारी कलीसियाओं ने जो योजना एक साथ शुरू की थी, उसकी समाप्ति पर सबको खुशी होगी। मैं भेटे लेने के लिए दुसरे भरोसे वाले भाइयों के साथ आया हूँ। क्या आपके पास आदमी तैयार है जो मेरे साथ यरूशलेम को पैसा ले जा सकें।

कुरिन्थवासी: हमने हिस्से की सहायता यरूशलेम के लोगो के लिए करना चाहते हैं। "यह दो आदमी भरोसेलायक है, यह तुम्हारे साथ जाएंगे। (गरीब लोगो के पास जाकर, उनको भेंटे दो)

गरीब लोग: ओह, हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं। अब हम भूखे नहीं मरेगें।

शत्रु: हम हार गए। उन्होने पैसों का प्रबन्ध बहुत चतुराई से किया कि हम उन्हें बहका नहीं सके। मैं दुबारा कोशिश करता हूँ।

वर्णनकर्त्ता: जिन्होने सहायता की उनका धन्यवाद।

इस अध्याय के शुरू में जो सवाल है वह बच्चे बड़ों से पूछे।

विचार करे: कलीसिया की योजना के दुसरे क्या उदाहरण हो सकते हैं जिससे वह मिलकर प्रभु की सेवा कर सके।

बड़े बच्चे हिसाब की पुस्तक बनाए जिसमें आय और व्यय के पृष्ठ हो,

- आय के खाते में उस वस्तु के बारे में लिखे जिसे बेचकर आय की राशि गरीबों को दे सकें।
- व्यय के खाते में लिखिए जो वस्तु खरीदकर गरीबों को दे सके वह दुखेर खाने में लिखें।

बच्चे एक हाथ का चित्र बनाए जिसमें सिक्का पकड़ा हो (ऊपर चित्र देखें)

- बच्चे बड़ों को वर्णन करे कि चित्र में दिखाया गया है कि कैसे कलीसियाए आपस में चतुराई और उदारता से जरूरत से समय लोगों की चिन्ता करती है।

1 कुरिन्थियो 9:6 याद करें

चार बच्चे नीतिवचन से अध्याय 24:3-6

प्रार्थना: प्रभु आपने हमें बहुत सी अच्छी चीजे दी है। हम जरूरतमन्दो और जो आपका वचन दूर जगह तक ले जाते है, उनको यह देना चाहते है। हमारी सहायता कर कि तेरी महिमा के लिए इकठ्ठे होकर अपना धन लगा सकें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net